म.प्र. जैव प्रौद्योगिकी परिषद का त्रैमासिक न्यूज लेटर

जैव प्रौद्योगिकी

अंक 06 अक्टूबर - 2011

संपादकीय

धरती पर व्याप्त वानस्पतिक एवं प्राणी विविधता मानव जाति की जीविका एवं समृद्धि का आधार है। जैव संसाधन जिसमें जीव जन्तु, पेड़ पौधे एवं सूक्ष्मजीवी सभी सम्मिलित हैं, हमारी बुनियादी आवश्यकताओं - भोजन, आवास की पूर्ति के साथ-साथ औषधियां, मसाले, औद्योगिक कच्चा माल, अकाष्ठीय वनोपज इत्यादि प्रदाय करते हैं। साथ ही पर्यावरण को संतुलित रखने का महत्वपूर्ण कार्य भी करते हैं। मानवजाति द्वारा वानस्पतिक एवं प्राणी जगत में व्याप्त अनुवांशिक विविधता का उपयोग सदियों से नई किस्मों/नस्लों को विकसित करने एवं उन्नत पैदावार/गुणवत्ता वाली किस्में तैयार करने के लिए निरंतर किया जाता रहा है। विगत दशकों में जैव विविधता का ह्रास तथा प्रजातियों का विलुप्त होना वैश्विक चिंता का विषय बन गया है। जैव विविधता संरक्षण में जैव प्रौद्योगिकी तकनीकों का प्रयोग करते हुए दुर्लभ, संकटापन्न प्रजातियों का संरक्षण संभव है। इस प्रकार के संरक्षण को बाह्य स्थलीय संरक्षण (Ex-situ conservation) कहा जाता है। इस प्रकार के संरक्षण में क्रायोप्रिज़रवेशन तकनीक द्वारा जीन बैंकों में जर्मप्लाज्म (Tissues, embryos, seeds) को तरल नाइट्रोजन में संरक्षित रखा जाता है। यह तकनीक क्रायोप्रिज़रवेशन (Cryo preservation) कहलाती है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
म.प्र. जैव प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल

मध्यप्रदेश में बायोटेक पार्क

प्रदेश के इंदौर जिले में 181 एकड़ भूमि पर बायोटेक पार्क विकसित किया जा रहा है जो कि मध्य भारत का एकमात्र पार्क होगा। प्रस्तावित बायोटेक पार्क में जीव विज्ञान अनुसंधान एवं उत्पादन तथा नवीन तकनीकों के व्यापारीकरण के लिए विश्वस्तरीय अधोसंरचना उपलब्ध होगी। यह पार्क जन-निजी भागीदारी के सहयोग से संकल्पित किया जाएगा। परियोजना की कुल लागत लगभग 130 करोड़ रुपये होगी। परियोजना के अंतर्गत अब तक परियोजना स्थल की फेंसिंग का कार्य जल संसाधन विभाग द्वारा पूर्ण कर लिया गया है। पार्क से संबंधित आर.एफ.पी. एवं कन्सेशन एग्रीमेंट शासन से अनुमोदन की प्रक्रिया में है।

जीव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान

भोपाल में प्रस्तावित जीव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के निर्माण के लिए चयनित सलाहकार महिन्द्रा कंसल्टिंग इंजीनियर्स

लिमिटेड (MACE), चेन्नई द्वारा विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन का प्रथम प्रारूप तैयार किया गया है। सलाहकार द्वारा परिषद के सदस्यों, परियोजना अनुश्रवण समिति के सदस्यों तथा अन्य सरकारी शिक्षण संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों से परिचर्चा की गई जिससे विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन को अधिक व्यवहारिक एवं सार्थक बनाया जा सके।

संरक्षक	संपादक	सह संपादक	संपादक मंडल
श्री आलोक श्रीवास्तव प्रमुख सचिव, म.प्र. शासन जैव विविधता एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग	श्री शैबाल दासगुप्ता मुख्य कार्यपालन अधिकारी मध्यप्रदेश जैव प्रौद्योगिकी परिषद भोपाल	डॉ. एलिजाबेथ थॉमस प्रबंधक मध्यप्रदेश जैव प्रौद्योगिकी परिषद भोपाल	जे.के. जैन डॉ.ए.बैनर्जी डॉ. शानू मिश्रा कु. जोसलीन जॉर्ज